गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-503

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी कथा साहित्य

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	कथा की मौखिक एवं लिखित परंपरा का ज्ञान अपेक्षित है।	**घंटे**
(उद्देश्य	• हिंदी कथा साहित्य के उद्भव, विकास एवं परिवेश से परिचित कराना। • हिंदी कथा साहित्य पढ़ने में रुचि विकसित कराना। • विद्यार्थियों की विश्लेषण-क्षमता विकसित कराना। • विद्यार्थियों की रचनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्य विषय	1. हिंदी कथा साहित्य: उद्भव और विकास	**10**
	2. निर्धारित रचनाएँ कहानियाँ: • माधवराव सप्रे - एक टोकरी-भर मिट्टी • जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार • अज्ञेय - मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई • मन्नू भंडारी- त्रिशंकु • गीतांजलि श्री - बेलपत्र • हरपाल सिंह 'अरुष'- और वह साधु बन गया	**20**

	उपन्यास: ● प्रेमचंद - गोदान ● धर्मवीर भारती - गुनाहों का देवता ● रणेंद्र - ग़ायब होता देश	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) प्रेमचंद. गोदान. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2020. 2) भारती, धर्मवीर. गुनाहों का देवता. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2014. 3) रणेंद्र. ग़ायब होता देश. पेंगविन बुक्स इंडिया, 2014.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) झाल्टे, डॉ॰ दंगल. उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987. 2) त्रिपाठी, विश्वनाथ. कहानी के साथ-साथ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 3) बांदिवडेकर, चंद्रकांत. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना. नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली, 1985. 4) मधुरेश. हिंदी कहानी का विकास. सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018. 5) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-1 (1900 से 1950). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 6) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-2 (1951 से 1975). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 7) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कहानी का इतिहास भाग-3 (1976 से 2010). राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 8) राय, डॉ॰ गोपाल. हिंदी कथा साहित्य. ग्रंथ निकेतन, पटना, 1965. 9) श्रीवास्तव, गरिमा (सं॰). उपन्यास का समाजशास्त्र. संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006. 10) सिंह, नामवर. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008.	

	11) सिंह, पुष्पपाल. समकालीन कहानियाँ: नया परिप्रेक्ष्य. सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2011.	
अधिगम परिणाम	• हिंदी कथा साहित्य के उद्भव, विकास एवं परिवेश से परिचित होंगे। • हिंदी कथा साहित्य पढ़ने में रुचि विकसित होगी। • हिंदी कथा साहित्य की समीक्षा कर पाएँगे। • विद्यार्थियों की रचनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा।	